दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
18/7/22	पत्रावली पेश हुई। पत्रावली, पत्रावली पर उपस्थित दस्तावेज, न्याय के सुसंगत प्रावधानों का अवलोकन कर बहस पर मनन किया गया। अविभाजित भूमि ख.न. 351/100 व 95 में वादी व प्रतिवादीगण समान हिस्से के सह-खातेदार हैं। प्रतिवादी सं. 2 द्वारा शपथ पत्र व फर्द मौका रिपोर्ट अग्निकांड (दिनांक 25/6/21) संलग्न कर जवाब पेश किया गया है। जिसमें यह वर्णित है कि 25/6/21 को हुए अग्निकांड में उसका रहवास जल गया, उसके रहने हेतु उचित व्यवस्था नहीं है और वह बेघर हो गया है। इस हेतु वह उस कच्चे निवास स्थान के निकट मकान का निर्माण कर रहा है जिसकी ऊँचाई छत तक आ गयी है। दूसरी ओर, वादी व प्रतिवादी सं. 1 को यह संशय है कि वह अविभाजित भूमि में मनचाही जगह कब्जा कर अजनबी व्यक्तियों को कब्जा करवा बेचान ना कर दे क्योंकि भूमि मुख्य सड़क पर स्थित है। इस संदर्भ में न्यायालय का यह मत है कि प्रतिवादी सं. 2 को आगजनी में जल गये पूर्व आवास के निकट, जहाँ उसके नये मकान का निर्माण, अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा आदेश दिनांक 24/01/22, के कारण अधूरा रह गया था, उसे उस परिधि में पूर्ण करने की इजाजत देना न्यायोचित होगा व उसे यह करने की इजाजत दी जाती है। परंतु प्रतिवादी सं. 2 को पाबंद किया जाता है कि वह इसके अतिरिक्त अविभाजित भूमि के किसी और हिस्से पर नवीन अतिथिक निर्माण [illegible] मूल वाद तकासमा के [illegible] अविभाजित भूमि के अपने हिस्से [illegible] अजनबी व्यक्ति को नहीं करेगा, ना ही मूल वाद के अंतिम	

Signature Not Verified
Digitally signed by Jayant Kumar
Date: 2022.10.23 16:39:09 IST
Reason: SelfAttested

क्र. सं.	दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रुप से
		निस्तारण तक बेचान हेतु किसी अजनबी व्यक्ति के साथ अपने हिस्से के भविष्य में किसी बेचान हेतु अनुबंध या करार संपादित करेगा। इस आशय के साथ न्यायालय उभयपक्षकारान को वाद के अंतिम निस्तारण तक अपना हिस्सा बेचान ना करने; मौके व रिकार्ड की यथास्थिति बनाए रखने हेतु पाबंद करता है और प्रतिवादी सं. 2 को उपरोक्त वर्णित शर्तों के दायरे में रहकर निर्माण की इजाजत देकर, मूल वाद के अंतिम निस्तारण तक यह TI प्रा. पत्र confirm करता है। यह निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया।
		18/7/22
		सहायक कलक्टर साँभर लेक

महोद

1–
2–
3–
4–
5–
6–
7–
8–
9–

Signature Not Verified

Digitally signed by Jayant Kumar
Date: 2022.10.23 16:39:09 IST
Reason: SelfAttested